त्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने संगोष्ठी का उद्घाटन किया

लखनऊः 11 अगस्त, 2016

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज कालीचरन पी0जी0 कालेज में लाला कालीचरन की पुण्य तिथि पर आयोजित एक दिवसीय संगोष्ठी 'जीवन मूल्य और उच्च शिक्षा' का उद्घाटन किया। इस अवसर पर पूर्व सांसद श्री लालजी टण्डन, छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति प्रो0 जे0वी0 वैशम्पायन, प्रधानाचार्य श्री डी0पी0 सिंह सहित अन्य विशिष्टजन व छात्र-छात्रायें उपस्थित थे।

राज्यपाल ने इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि देश के लिए कुछ करने का भाव युवकों में निर्माण करने का दायित्व शिक्षकों का है। आगामी 15 अगस्त को देश स्वाधीनता दिवस का उत्सव मनायेगा। उत्सव मनाते समय हमें यह विचार करना होगा कि आजादी हमें कैसे मिली है। इतना समय बीत जाने के बाद शहीदों और क्रांतिकारियों के हम कितने सपने साकार कर पाये हैं और कितना अभी करना शेष है। हमें यह भी सोचना होगा कि युवा पीढ़ी देश की पूंजी है और इस पूंजी का देश के विकास में हम कैसे उपयोग कर सकते हैं। देश के विकास के लिए उच्च शिक्षा जरूरी है। उन्होंने कहा कि युवाओं को सही दिशा-निर्देशन नहीं मिलेगा तो वे देश के लिए एक जिम्मेदारी बन सकते हैं, जो हमारे आजादी के क्रांतिकारियों के सपनों के अनुकूल नहीं होगा।

श्री नाईक ने कहा कि देश के विकास के लिए छात्रों को कैसी शिक्षा देनी है यह शिक्षकों और शिक्षा से जुडे प्रतिष्ठानों को विचार करना होगा। शोषित, गरीब एवं समाज के अंतिम पायदान पर खडे लोगों को शिक्षा देना समाज और सरकार का दायित्व है। आज स्पर्धा के दौर में शिक्षा की गुणवत्ता को बनाये रखना जरूरी है। 26 विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति के नाते उन्होंने उच्च शिक्षा को पटरी पर लाने का प्रयास किया है। इस संदर्भ में समय से दीक्षान्त समारोहों का आयोजन, नकल विहीन परीक्षा, अंक तालिका वितरण, समय पर प्रवेश व परीक्षा तथा भ्रष्टाचार मुक्त वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रयास किये जा रहे हैं, जिसमें काफी हद तक सफलता भी मिली है।

राज्यपाल ने छात्र-छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि अहंकार विकास में अवरोधक है। शिक्षा के साथ-साथ व्यक्तित्व विकास के बारे में सोचें। छात्र पूरे मनोयोग से पढ़ाई करके अपना छात्र धर्म निभाये। पढ़ाई के साथ-साथ खेल-कूद व अन्य रचनात्मक गतिविधियों में भी भाग लें। उन्होंने व्यक्तित्व विकास के चार मंत्र बताते हुए कहा कि सदैव प्रसन्नचित रह कर मुस्कराते रहंे, दूसरों के अच्छे गुणों की प्रशंसा करें और अच्छे गुणों को आत्मसात करने की कोशिश करें, दूसरों को छोटा न दिखाये तथा हर काम को और बेहतर ढंग से करने का प्रयास करें।

पूर्व सांसद श्री लालजी टण्डन ने कालीचरण पीजी कालेज के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि लखनऊ की विशिष्ट हस्तियाँ एवं शिक्षाविद् किसी न किसी रूप से कालीचरन कालेज से जुडे रहे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी, स्व0 हरिवंश राय बच्चन, श्री अमृतलाल नागर भी इस महाविद्यालय से जुडे रहे हैं। उन्होंने कहा कि 112 वर्ष पुराने कालेज के पूर्व छात्रों ने भी राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है।

कार्यक्रम में कुलपति प्रो0 जे0वी0 वैशम्पायन सहित अन्य लोगों ने भी अपने विचार रखें।

अंजुम/ललित/राजभवन (286/16)

कालीचरण स्नातकोत्तर महाविद्यालय
हरदोई रोड, चौक, लखनऊ (उ० प्र०)
स्वनामधन्य लाला कालीचरण जी की पुण्य तिथि के अवसर पर
एक दिवसीय संगोष्ठी
'जीवन मूल्य और उच्च शिक्षा'

कालीचरण स्नातकोत्तर महाविद्यालय